55 हजार की अवैध शराब जब्त

खास बातें

- सिरोंज क्षेत्र में आबकारी विभाग ने की छापेमारी
- तीन प्रकरण किये दर्ज

नवभारत न्यूज

सिरोंज 24 फरवरी, जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने सिरोंज क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही करते हुए लगभग 55 हजार रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त की है.

जिला आबकारी अधिकारी शरद पाठक के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी साधना पटेल के नेतृत्व में सोमवार को सिरोंज क्षेत्र में अवैध मदिरा के संबंध में प्राप्त शिकायतों के आधार पर आबकारी टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी. कार्यवाही के दौरान 20 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 15 पाव अवैध मदिरा प्लेन, 500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया. जब्त की गई मदिरा एवं सामग्री का कुल बाजार मूल्य लगभग 55 हजार रुपये आंका गया है. आबकारी विभाग द्वारा आरोपियों के विरुद्ध तीन प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है. इस पूरी कार्यवाही में आबकारी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही. जिला आबकारी अधिकारी श्री पाठक ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है. अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी.

एक नजर में

प्रमोद शर्मा बने प्रदेश संयुक्त सचिव

नवभारत न्यूज

विदिशा, आम आदमी पार्टी ने पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा को उनकी ईमानदारी, लगन, और कर्मठता को देखते हुए प्रदेश का संयुक्त सचिव (शिक्षा प्रकोष्ठ) नियुक्त किया.प्रमोद शर्मा ने शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए मीडिया को बताया है कि मुझ जैसे एक छोटे कार्यकर्ता को प्रदेश में इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी. मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और सच्ची निष्ठा से निभाता रहूंगा! और पार्टी के लिए कार्य रहूंगा.इस अवसर पर जिले के सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीयों ने उन्हें बधाई दी। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़, शासकीय पीएम श्री बालक माध्यमिक शाला हैदरगढ़ स्पोर्ट्स कंपटीशन रखा गया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इस कंपीटिशन में क्रिकेट वॉलीबॉल फुटबॉल रस्सी कूद बोरा रेस बैडमिंटन आदि खेलो का आयोजन किया गया बालक बालिकाओं ने प्रतियोगिताओं मैं भाग लिया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण किए गए एवं इसके बाद सभी को नाश्ता कराया गया कार्यक्रम के मौके पर ग्राम पंचायत सरपंच सुनील कुमार विश्वकर्मा उप सरपंच राकेश पंथी पत्रकार नरेंद्र सेन अमित जैन विवेक नामदेव एवं शाला प्रभारी कल्पना भावसार शिक्षक सुनीता लखेरा शोभा चौरसिया राजकुमारी कुशवाह जयप्रकाश साहू नरेंद्र शर्मा अंजलि रैकवार आदि शिक्षक उपस्थित रहे.

बिना अनुमति पेड़ काटने पर अभाविप का विरोध

डीएफओ के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वभारत न्यूज

कुरवाई 24 फरवरी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच शासकीय महाविद्यालय कुरवाई में बिना किसी वैधानिक अनुमति के पेड़ों की कटाई एक गंभीर पर्यावरण अपराध है.अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुरवाई इकाई ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए वन विभाग के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर के नाम ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी , कुरवाई को प्रस्तुत किया गया.

घटना में कॉलेज परिसर या संलग्न क्षेत्र में पुराने मूल्यवान पेड़ों की अनधिकृत कटाई की गई, जो वन संरक्षण अधिनियम 1980 और मध्य प्रदेश वन नियमों का खुला उल्लंघन है.ये पेड़ छात्रों को छाया, शुद्ध हवा और हरियाली प्रदान करते थे, लेकिन कथित विकास कार्यों के नाम पर इन्हें काट दिया गया. कोई पूर्व अनुमति, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन या प्रत्यारोपण योजना नहीं थी. एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय जांच में पाया कि कॉलेज प्रशासन ने वन विभाग से कोई मंजूरी नहीं ली, जो पर्यावरणीय संतुलन को खतरे में डालता है.एबीवीपी कुरवाई इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने निम्नलिखित मांगें रखी कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई हो,कटे पेड़ों से दोगुने या अधिक पेड़ों का प्रत्यारोपण तीन माह में सुनिश्चित हो, जिसमें स्थानीय प्रजातियां प्राथमिकता पाएं.कॉलेज प्रशासन और वन विभाग के बीच स्थायी समन्वय समिति गठित हो ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकें.घटना की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो, जिसमें छात्र प्रतिनिधि शामिल हों.नगर मंत्री वेदांत जैन ने बताया कि एबीवीपी पर्यावरण को अपनी प्राथमिकता मानती है.हम विद्या के साथ प्रकृति की रक्षा के सिद्धांत पर चलते हैं.विकास के नाम पर पर्यावरण विनाश बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.परिषद इस मुद्दे को आगे बढ़ाएगी.इस दौरान प्रांत संयोजक विकासार्थ विद्यार्थी अभिजीत सप्रे, सह मंत्री सत्यजय मांझी, परिसर मंत्री अमन यादव, उपाध्यक्ष प्रिंस ठाकुर, सह मंत्री प्रियांश राय उपस्थित रहे.

35 हितग्राहियों को मिले स्वीकृति पत्रक

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर संपन्न

5 वार्डों में द्वितीय चरण के शिविर का आयोजन

नवभारत न्यूज

सिरोंज, संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत मंगलवार को वार्ड 4 से वार्ड 8 तक के द्वितीय शिविर का आयोजन नगरपालिका शादी हॉल सिरोंज में किया गया. शिविर में संकल्प से समाधान अभियान के प्रथम चरण में हितग्राहियों के प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर द्वितीय चरण में हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है. द्वितीय शिविर में वार्ड क्रमांक 4, 5, 6, 7, 8 के 35 हितग्राहियों को पेंशन, संबल, पीएम स्वनिधि के स्वीकृति पत्र जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरित किये गये. इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि गुड्डु यादव, संजू सोनी, बलजीत यादव, नरेंद्र पाटीदार, नपा उपयंत्री अखिलेश मार्को, ज्योति दुबे सहित निकाय के अधिकारी, कर्मचारी, वार्ड प्रभारी एवं हितग्राही मौजूद रहे.

दिशा समिति की बैठक 3 को

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 3 मार्च को प्रस्तावित की गई है कि जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने प्रस्तावित बैठक को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं.बैठक की तैयारियों के संबंध में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, प्रगति, उपलब्धियों तथा लंबित कार्यों की अद्यतन जानकारी आगामी दो दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं.

भक्ति में धन नहीं भाव प्रधान होता है-डॉ. अमृता कणेश्वरी

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, भक्ति के आनंद में डूबा पठार पुरा, श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन हुआ.नगर के वार्ड नंबर 17, पठार पुरा स्थित प्रसिद्ध भाटन माता मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आज श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हुआ.

कथा के सातवें और अंतिम दिन डॉ. अमृता करुणेश्वरी देवी ने अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया. कथा के मुख्य अंश सप्तम दिवस की कथा में श्रीदेवी जी ने सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष और शुकदेव विदाई के मार्मिक प्रसंगों पर प्रकाश डाला. सुदामा चरित्र में कृष्ण-सुदामा की मित्रता का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भक्ति में धन नहीं, भाव प्रधान होता है। जब सुदामा के प्रेम स्वरूप भेंट किए गए तंदुल (चावल) को प्रभु ने ग्रहण किया, तो पाण्डाल लाल की के जयकारों से गूँज उठा.परीक्षित मोक्ष की कथा में श्रीदेवी जी ने समझाया कि भागवत कथा का श्रवण केवल मृत्यु के भय को दूर नहीं करता, बल्कि जीवन जीने की सही कला सिखाता है.विदाई की वेला में कथा की पूर्णाहूति पर भाटन माता मंदिर परिसर का वातावरण अत्यंत भावुक हो गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने नम आंखों से भागवत भगवान को विदाई दी.भंडारे के साथ हुई पूर्णाहूति कथा समापन के उपरांत महाआरती का आयोजन किया गया.

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के शुभारंभ पर निकाली घटयात्रा

नवभारत न्यूज

सिरोंज, श्री जिनोदय तीर्थक्षेत्र निसई जी पर श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन परम पूज्य मुनिश्री 108 निरंजन सागर जी महाराज के सानिध्य में 24 फरवरी से 4 मार्च तक किया जा रहा है. श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के शुभारंभ पर मंगलवार को शहर में घट यात्रा निकाली गई. जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री जिनोदय तीर्थक्षेत्र निसई जी पर पहुंची.

घट यात्रा में आकर्षक चांदी के रथ में श्रीजी विराजित होकर निकलें. रथ को श्रद्धालु नग्न पैर हाथों में लेकर चल रहे थे. घटयात्रा में आकर्षक बैंड बाजे शामिल रहे. वही आकर्षक गणवेश में बड़ी संख्या में समाजजन भी मौजूद रहें.

इस अवसर पर शहर में जगह-जगह भगवान की आरती की गई. वही शहर में जगह-जगह आकर्षक रंगोली भी सजाई गई. घटयात्रा मुख्य बाजार, कठाली बाजार, छत्री चौराहा, रोहिलपुरा चौराहा से होते हुए श्री जिनोदय तीर्थक्षेत्र निसई जी पर पहुंची. जहां पर ध्वजारोहण, मंडप शुद्धि, पात्र शुद्धि के उपरांत विधान का शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर मंगल प्रवचन भी हुए. वही प्रतिदिन सुबह नित्य नियम, शांति धारा, अभिषेक, पूजन के उपरांत विधान प्रारंभ होगा. तथा प्रात:9 बजे से मंगल प्रवचन होंगे. वहीं शाम 7:30 बजे संगीतमय आरती होगी. 4 मार्च को विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन होगा. इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे.

शताब्दी वर्ष के मौके पर हुई जनगोष्ठी

नवभारत न्यूज

कुरवाई,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, खंड कुरवाई में शताब्दी वर्ष के मौके पर प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ.गोष्ठी में मुख्य वक्ता आरएसएस के सह कुटुम्ब प्रबोधन प्रमुख पन्नालाल मीणा के द्वारा परिवार नाम की संस्था को मजबूत करने, का आवाहन करते हुए शारीरिक, आत्मिक उन्नति करने का प्रभावी उद्बोधन दिया.कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता बताते हुए मुख्य वक्ता पन्नालाल मीणा ने संघ की पृष्ठभूमि में आरंभ से ही देश सेवा की विचारधारा रहने का विस्तृत व्याख्यान दिया. संघ ने अनेक विपरीत परिस्थितियों में देश सेवा का काम किया और आज भी निरंतर सेवा कार्यों में संघ के स्वयंसेवक् जुटे हुए है.मुख्य वक्ता श्री मीणा ने कहा कि हमें पांच विषयों पर समाज में जोर देना है. नागरिक शिष्टाचार, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी का भाव, सामाजिक समरसता, और पर्यावरण संरक्षण.इनको अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए, जिससे अपने राष्ट्र को आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाने में हमारा महत्वपूर्ण योगदान होगा.उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य है कि सशक्त और संगठित समाज ही शक्तिशाली भारत का निर्माण कर सकता है.जन गोष्ठी में अनेक प्रबुद्ध कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

भोपाल में प्रदर्शन में शामिल हुए कांग्रेसी

नवभारत न्यूज

सिरोंज, भोपाल में आयोजित कांग्रेस नेता राहुल गांधी की किसान महाचौपाल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर के बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर अमेरिका से की गई ट्रेड डील का विरोध किया. जिसमें पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह राजपूत, कल्याण सिंह यादव, गजराज सिंह राजपूत, अर्जुन राजपूत, रमेश जादौन, निलेश शर्मा, अंकित भार्गव, नवल रघुवंशी, वकील राजपूत, धनराज सिंह धाकड़, पप्पू धाकड़, शरद सहेले, रविकांत शर्मा, लखन सिंह राजपूत, कुंटल दांगी आदि मौजूद रहे.

सेंट मेरी पीजी कॉलेज का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

नवभारत नयूज

विदिशा, राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर 23 फरवरी से 01 मार्च 2026 तक का शुभारंभ बड़े ही उत्साह के साथ किया गया.संस्था संचालक फादर सिंटो वर्गीज एवं प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान ने स्वयंसेवकों को हरी झंडी दिखाकर शिविर के लिए रवाना किया तथा शिविर स्थल पर पहुंचकर विधिवत उद्घाटन किया.

यह सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पैरवारा जिला विदिशा में संस्था संचालक फादर सिंटो वर्गीज आयोजित किया जा रहा है. शिविर के प्रथम दिवस स्वयंसेवकों ने शिविर स्थल एवं उसके आसपास की सफाई कर विभिन्न गतिविधियों हेतु तैयारी की, शिविर का आयोजन के कार्यक्रम अधिकारी कार्यक्रम अधिकारी प्रो अरविंद द्विवेदी एवं प्रो दीपा राठौर (महिला इकाई) के नेतृत्व में किया जा रहा है.उद्घाटन कार्यक्रम में संस्था संचालक फादर सिंटो वर्गीज , प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान एवं सिस्टर प्रभावती वरिष्ठ स्वयंसेवक समिति शुक्ला,नरेंद्र ठाकुर ,दीपक लोधी सहित समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे.इस अवसर पर संचालक फादर सिंटो ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास होता है. उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। प्राचार्य ने डिजिटल के युग में डिजिटल साक्षरता का होना अति अवयस्क है नहीं हो व्यक्ति अपना सब कुछ गवां देगा.शिविर के दौरान स्वयंसेवक ग्राम में स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों का संचालन करेंगे। सात दिवसीय इस विशेष शिविर को लेकर स्वयंसेवकों में में काफी उत्साह है,कार्यक्रम का संचालन प्रो दीपा राठौर ने एवं कार्यक्रम की रूप रेखा प्रो अरविंद द्विवेदी द्वारा स्थापित की गई. द्वितीय दिवस में शिवरीय दिनचरिया में सुबह 5.30बजे प्रभात-फेरी , पी टी,ड्रिल,परियोजना कार्य जिसमें गलियों की सफाई,चौक नली की दुरुस्ती करण,हैंडपंप की नली की दुरुस्तीकरण ,परिसर दुरुस्तीकरण आदि,बौद्धिक सत्र में श्री के एन शर्मा पूर्व प्राचार्य डायट, प्रो रश्मि श्रीवास्तव,पैरवारा विद्यालय से श्रीमती स्नेहलता,सुनील कुमार ,पंकज जैन,सोनाली,,नीलम शर्मा उपस्थित रहे.अपने उद्बोधन में श्री शर्मा ने उपस्थित छात्रों से संवाद में समय की कीमत ,माता पिता,गुरुओं का सम्मान,डिजिटल के अंतर्गत ,मोबाइल इस गुड फ्रेंड एंड बाद मास्टर द्वारा अपनी बात कही,इस दौरान रक्तदान बाल मजदूरी, लिंग भेद, महिला तस्करी जैसे ज्वलंत मुद्दों पर बात प्रो अरविंद द्विवेदी एवं प्रो दीपा राठौर द्वारा स्वयं सेवकों को अवगत कराया गया.

पढ़ने लिखने की उम्र में पेट की खातिर जान जोखिम में डालकर दिखा रहे कर्तव्य

नवभारत न्यूज

पठारी, नगर में पढ़ने लिखने की उम्र में छोटे बच्चे तहसील क्षेत्र में कर्तव्य दिखा रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इससे नजर अंदाज कर अनजान बने हुए हैं और उनकी ना तो शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है और ना ही उनकी खान-पान की छोटे बच्चे पेट के खातिर रस्सी पर जान को जोखिम में डालकर चलने सहित कई हेरत अंगेज कर्तव्य दिखा रहे हैं इन बच्चों द्वारा जान जोखिम में डालकर चौक चौराहा पर दिखाए जाते हैं कर्तव्य दिखाने के बदले जो रुपए मिलते हैं उसी से बे अपने लिए भोजन की व्यवस्था जुटाते हैं.

नगर के छोटी माता मंदिर एवं बस स्टैंड मेन बाजार मैं रामगढ़ तिराहा पर इन बच्चों ने नज़रबंदी डंडे पर चलना और रस्सी के ऊपर डंडे के सहारे चल कर लोगों का मनोरंजन कर रहे वहीं दर्शक तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन कर ते हैं कुछ ही देर बाद कर्तव्य समाप्त करने के बाद बच्चे हाथों में थाली लेकर दुकानदारों एवं पैदल आने जाने बालों से पेट भरने के लिए पैसे मांग ते हैं कुछ लोगों ने पैसे दिए तो कुछ लोगों ने डांट डपट कर भगा दिया.

आयोजन | **जो समाज संतों का आदर करता है, वही समाज अपनी परंपरा को सुरक्षित रख पाता**

कठोर शिलाएं भी पिघल उठीं,भरत के करुण चरित्र से द्रवित हुआ चित्रकूट

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, रघुवंश की परंपरा मर्यादा, सेवा और संत-सम्मान से जोड़ी है.इस रघुवंश का जीवन-वृत्त ऐसा रहा कि कवियों ने उसके त्याग और बलिदान को महाकाव्यों में रचा.इसी पुण्य परंपरा के कारण परमात्मा ने रघुवंश को अवतार-भूमि चुना, जहाँ भगवान राम और भरत जैसे आदर्श जन्मे. यह चयन सत्ता के वैभव पर नहीं, चरित्र की शुचिता पर हुआ.जो, संत ब्राह्मण द्रोही होता है, अपमान करता है वह समूल नष्ट हो जाता है, हमारे सामने रावण इसका उदाहरण है.शक्ति और ऐश्वर्य के बावजूद संत-सम्मान के अभाव में लंका का वंश विनाश को प्राप्त हुआ.यह भाव सनकादिक आश्रम में चल रही नवदिसीय भरत-चरित्र की कथा के दौरान पांचवे दिवस नौलखी आश्रम के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने व्यक्त किए. श्रोताओं को समझाया गया कि मर्यादा का मूल संत-सम्मान है जो समाज संतों का आदर करता है, वही समाज अपनी परंपरा को सुरक्षित रख पाता है.

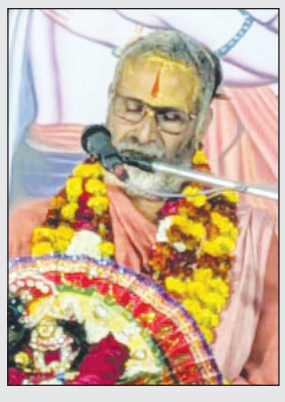

रघुवंश की परंपरा ने राजधर्म को विलास नहीं, व्रत बनाया. सत्ता का अवसर मिला तो भी भरत ने उसे स्वीकारने के बजाय मर्यादा का वरण किया. कथावाचक ने स्पष्ट किया कि भरत का त्याग किसी पलायन का रूप नहीं, बल्कि लोककल्याण के लिए लिया गया विवेकपूर्ण निर्णय है. भरत-चरित्र की कथा के दौरान रघुवंश के राजाओं की त्याग-परंपरा को केंद्र में रखकर संदेश दिया गया कि यह वंश सत्ता-सुख में नहीं, सेवा-साधना में अपनी पहचान बनाता रहा है. महाराजश्री ने कहा कि रघुवंश के नरेशों का इतिहास त्याग,साधना, बलिदान और मर्यादा की परंपरा है जहाँ सत्ता का मोह नहीं, लोकहित का संकल्प प्रधान रहा है.भरत इसी परंपरा के प्रतिनिधि हैं, जिन्होंने अधिकार नहीं, आदर्श को चुना. सनकादिक आश्रम में चल रही भरत-चरित्र की कथा के बीच स्वयं पाखी महाराज के आश्रम में सीताराम भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के सूत्र में बांध दिया.भरत-चरित्र की कथा के दौरान स्वयं पाखी महाराज के आश्रम में चल रही सीताराम भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा ने आस्था को कर्म में बदल दिया. पांच कुंडीय महायज्ञ में देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे यजमानों ने राम-नाम की आहुतियां अर्पित कीं.कथा में उभरे भरत-भाव त्याग, विनय और अधिकार से दूरी का प्रभाव यज्ञशाला के वातावरण में साफ दिखा.यज्ञ के आचार्य पंडित केशव शास्त्री के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दी गईं.गंजबासौदा, भोपाल और विदिशा के साथ हरियाणा, गुजरात व राजस्थान से पहुंचे यजमानों की सहभागिता ने आयोजन को क्षेत्रीय नहीं, राष्ट्रीय स्वरूप दिया. शास्त्री जी के अनुसार पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा में 1 लाख 60 हजार से अधिक आहुतियां राम नाम की दी जाएगी. यजमानों ने बताया कि कथा में भरत का वंदन-भाव सुनकर उन्होंने अहंकार और आग्रह को त्यागने का संकल्प लिया, जिसे यज्ञ में आहुति के रूप में समर्पित किया गया.

आस्था, संरक्षण और समर्पण की मिसाल देता श्रमदान अभियान

गंजबासौदा, महाशिवरात्रि के दिन जब मंदिरों में घंटे बज रहे थे, लोग जल चढ़ा रहे थे और हर-हर महादेव के जयघोष हो रहे थे. उसी समय कुछ लोग लाल जर्सी में चुपचाप नदी के घाट पर झुके हुए थे. वे पूजा नहीं कर रहे थे अपितु सही मायने में वे पूजा को सार्थक कर रहे थे. श्रमदान दल गंजबासौदा के सदस्यों ने साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत रिपटा घाट पर उतरकर शक्ति स्वरूपा मां वैत्रवती के आंचल की सफाई की। अंतर था तो बस इतना कि उनके हाथों में फूल नहीं, कचरे की थैलियाँ थीं; माथे पर तिलक नहीं, पसीना था पर शायद यही सच्ची आरती थी. एक तरफ श्रद्धा, दूसरी तरफ विडंबना.

एक ओर हम नदी को माँ कहते हैं, दूसरी ओर उसी माँ की गोद में प्लास्टिक, कपड़े, माला और कूड़ा डाल देते हैं.मां कहकर पूजा तो करेंगे, और बदले में उसे गंदगी सौंप देते हैं.क्या यही आस्था है? या यह आस्था और श्रद्धा के नाम पर दिखावा है? क्यों कि समझने वाली बात यह है कि नदी में बहाया गया हर फूल कुछ घंटों बाद कचरा बनता है,हर पॉलीथिन जलीय जीवों के लिए मौत का कारण बनती है और हर पूजा अवशेष धीरे-धीरे उसी जल को जहर बना देता है जिसे हम पवित्र मानते हैं.इसलिए आज हर किसी को समझने की जरूरत है कि सच्ची पूजा क्या है? महाशिवरात्रि शिव और प्रकृति के मिलन का पर्व है.शिव संहार के देव नहीं, संतुलन के देव हैं और संतुलन तभी संभव है जब प्रकृति सुरक्षित रहे.महाशिवरात्रि पर्व पर नदी को साफ करना केवल श्रमदान नहीं, एक संदेश है भगवान को प्रसन्न करना है तो उनकी सृष्टि को नष्ट मत करो.नदी को साफ करने हर सप्ताह कुछ ही लोग क्यों आते हैं? बाकी लोग केवल फोटो और पोस्ट तक ही क्यों सीमित हैं क्या नदी केवल श्रमदानियों की जिम्मेदारी है? क्या प्रदूषण के लिए केवल सरकारों को दोष देना सही है? क्या हमें अपने संस्कारों को में सुधार करने की आवश्यकता नहीं है? क्या हम अपने बच्चों के हिस्से का पानी आज ही गंदा कर देना चाहते हैं? सच यह है समस्या कचरे की नहीं, मानसिकता की है. श्रमदान दल के सदस्य राकेश रघुवंशी नेकहा कि नदी को बचाने के लिए कानून से ज्यादा ज़रूरत संस्कार की है.जब तक समाज स्वयं नहीं बदलेगा, हर सफाई अस्थायी रहेगी. तो वहीं दीपेश शर्मा का मानना है कि महाशिवरात्रि के इस पर्व पर संदेश सीधा है. आस्था हाथ जोड़ने से नहीं, हाथ बढ़ाने से सिद्ध होती है.19 वे चरण स्वच्छता कार्यक्रम में नितिन अग्रवाल, दिनेश चौरसिया, नीरज साहू, योगेंद्र माझी, अंशुल शर्मा , राकेश रघुवंशी, दीपेश शर्मा, आकाश जैन सहित कई जागरूक नागरिक ने सहभागिता दर्ज की.